11:05

VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1837)

Name of Candidate	Bharti Meena		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	
Center	Online	Date	02/09/22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुरितका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुरितका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. (a) Explain why altruism constitutes one of the core values in public life. In this regard, suggest some measures to foster altruistic behaviour in public services. (150 words) 10

स्पष्ट कीजिए कि परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्यों में से एक क्यों है। इस संबंध में लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

परोपकारिता से आशय है कि जब कोई व्यक्ति बिना स्वार्थ के दूसरों की मदद करें।

प्रमुख मूल्य क्यों ⇒

i) यह लोगों को दूसरों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाता है।

ii) यह गुण लोगों में करुणा की भावना को प्रोत्साहित करता है।

iii) परोपकारिता करने से ~~का~~ आस-पास का माहौल विश्वासप्रद व सकारात्मक ऊर्जा वाला होता है जिससे लोगों की अपने व्यक्तिगत व व्यावसायिक कार्य में उत्पादकता बढ़ती है।

iv) जो व्यक्ति परोपकार करता है, उसे भी आत्म संतुष्टि तथा समाज के लिए कुछ करने का भाव जागृत होता है जैसे तुलसीदास का यह कथन.

"परहित सरिस धरम नहीं भाई
परपीड़ा सम नहीं अधिमाई।"

लोकसेवाओं में परोपकारिता बढ़ाने के लिए उपाय :→

i) लोकसेवाओं को संवेदनशील बनाना होगा।

(ii) इसके लिए उन्हें वंचित वर्गों से संबंधित कहानियाँ, फिल्म, साहित्य के माध्यम से उनकी समस्याओं से परिचित किया जा सकता है।

(iii) लोक सेवकों की नियुक्ति में इस गुण का परीक्षण किया जा सकता है।

iv) सेवा के दौरान भी इस गुण का परीक्षण किया जाना चाहिए

v) उस आधार पर उनका निष्पादन आकलन किया जाना चाहिए।

vi) उन्हें ऐसे स्थान पर भेजा जा सकता है कि जहाँ वंचित वर्ग दयनीय अवस्था में रहते हैं जैसे - मलिन बस्ती।

अतः स्पष्ट है कि सिविल सेवक एक 'ट्रस्टी ऑफ एजेंट' के रूप में कार्य करते हैं जिनमें परोपकारिता का गुण आवश्यक है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ मत लिखें)

1. (b) Certain actions can be right even though they do not maximize good consequences, for the rightness of such actions consists in their representing certain norms. Discuss with examples. (150 words) 10

कुछ कार्य सही हो सकते हैं, भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें, क्योंकि ऐसे कार्यों का औचित्य उनमें शामिल कुछ मानदंडों में निहित होते हैं। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

उपर्युक्त में अच्छे कार्य की औचित्यता पर प्रकाश डाला गया है तथा उन मानदण्डों की बात की गई है जिनमें कार्य सही होते हैं।

अच्छे कार्य के मानदण्ड निम्नलिखित हो सकते हैं —

i) वे कार्य जो समाज की भलाई के लिए हो।

(ii) वे कार्य जो अच्छी भावना के साथ बनाए हुए

(iii) वे कार्य जो वंचित वर्गों के लिए हो

(iv) वे कार्य जो लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हो

v) वे कार्य जो वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को मजबूत करें।

इन कसौटियों पर मूल्यांकन करते हैं कि अच्छे कार्य परिणामों से नहीं मापनों

निर्धारित होते हैं

i) समाज के लिए व्यावहारिक लक्ष्य जाति व्यवस्था की अनुपस्थिति, धर्मनिरपेक्षता आदि। भले ही इन्हें पूरा न किया जाया हो परंतु महत्वपूर्ण है।

ii) वंचित वर्गों में महिलाओं के लिए लैंगिक समता, SC, STs के प्रति भेदभाव में कमी

iii) लोकतंत्र में संविधान के विभिन्न प्रावधान Art-15, 16, 21 etc- आदि जिन्हें पूर्ण रूप से भले ही प्राप्त न किया जाया हो परंतु वो महत्वपूर्ण है।

iv) विदेश नीति शांतिपूर्ण सह अस्तित्व भी महत्वपूर्ण है।

अतः स्पष्ट है कि कार्यों को अच्छी भावना के साथ किया जाना चाहिए और उनका उद्देश्य व्यापक होना चाहिए

Don't write anything this margin
इस भाग में कुछ न लिखें।

2. (a) With the help of appropriate examples, discuss the ethical challenges involved in policing in India. Also, highlight the reasons behind corruption in the police force. (150 words) 10

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से भारत में पुलिसिंग (पुलिस व्यवस्था) में शामिल नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणों पर प्रकाश डालिए।

पुलिस व्यवस्था लोक व्यवस्था (law & order) बनाने में मदद करती है।

पुलिसिंग के समक्ष नैतिक चुनौतियाँ ⇒

i) अपराधियों के साथ कैसा व्यवहार करें- उन्हें उचित भोजन, पानी व अन्य सुविधाएँ दे या न दें?

(ii) महिला अपराधियों पर सच निकलने पर कम सज़ा दे या अधिक?

(iii) महिला अपराधियों की सुरक्षा से संबंधित मुद्दा।

iv) अपराधियों के बच्चों से संबंधित नैतिक मुद्दे

v) बाल अपराधियों से संबंधित मुद्दे।

vi) जघन्य अपराध वाले अपराधियों को सजा देने संबंधी मुद्दा जब न्यायालय ने कोई निर्णय न सुनाया हो।

भ्रष्टाचार के कारण

i) पुलिस को मिलने वाला वेतन उनकी जरूरत के लिए पर्याप्त न होना।

ii) वो ऐसी परिस्थिति (लोगों के मध्य कार्य करते हैं, जहाँ भ्रष्टाचार की संभावना अधिक होती है।

iii) भ्रष्टाचार की समाज में स्वीकृति है।

iv) अपने समकक्षों से अधिक सुख-सुविधाएँ भोगने की इच्छा।

v) पुलिस में नैतिक व सेवा मूल्यों की कमी।

vi) न्याय-व्यवस्था जटिल व विलम्बकारी → क्योंकि दोषी साक्ष्य के अभाव में छूट जाता है

vii) कानूनों में जटिलता जो भ्रष्टाचार को संभव बनाती है।

स्पष्ट है कि पुलिस देश की सुरक्षा व एकता व अखण्डता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अतः इसका भ्रष्टाचारमुक्त बना रहना आवश्यक है।

2. **(b)** A right combination of spirit and structure is integral to ethical corporate governance. Discuss. **(150 words) 10**

भावना और संरचना का सही संयोजन नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अभिन्न अंग होता है। चर्चा कीजिए।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस, "उन मूल्यों विचारधारा, सिद्धान्तों का समुच्चय होता है जिससे कम्पनी के मालिक, शेयरधारक, प्रबंधक, ग्राहक - सभी को लाभ होता है

कॉर्पोरेट गवर्नेंस में भावना का रहना आवश्यक है —

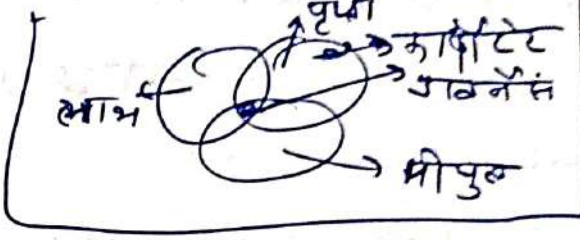

i) बड़े-2 कॉर्पोरेट में जनता का पैसा लगा होता है। अतः उसका प्रतिफल उन्हें उचित रूप से मिलना चाहिए।

(ii) आजकल बड़े-2 घोटाले होते हैं जैसे - सत्यम घोटाले।

(iii) बड़ी-2 MNCs का प्रभुत्व है जिसमें जनता का पैसा लगा है।

iv) कॉर्पोरेट का मुख्य उद्देश्य लाभार्जन करना होता है।

v) क्रोनी कैपिटलिज्म होता है जिससे घोटाले की संभावना बनी रहती है।

vii) लोग जागरूक हो रहे हैं।

viii) कार्पोरेटों पर CSR का दबाव है जिसमें वो कहीं भी पैसा लगा सकते हैं।

कार्पोरेट गवर्नेंस की संरचना →

i) निदेशक मण्डल में एक स्वतंत्र निदेशक व एक महिला निदेशक होनी चाहिए।

ii) समय-2 पर बाहरी प्रणाली द्वारा ऑडिट किया जाना चाहिए

iii) नियमित समयान्तराल पर मीटिंग होनी चाहिए तथा उचित मुद्दों पर विचार-विमर्श होना चाहिए।

iv) कंपनी को अपना विज़न व मिशन डॉक्यूमेंट जारी करना चाहिए

v) अपना सिटिजन चार्टर व प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र की व्यवस्था होनी चाहिए

vi) वित्तीय रिपोर्टिंग को प्रभावी बनानी चाहिए।

स्पष्ट है कि कॉर्पोरेट गवर्नेंस में भावना व संरचना का सही संयोजन एक-दूसरे के पूरक हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ मत लिखें)

3. **(a)** It is not only public servants, but also the common citizens who play a key role in institutionalising high standards of ethical conduct and good governance. Elaborate. **(150 words) 10**

न केवल लोक सेवक, बल्कि आम नागरिक भी नैतिक आचरण और सुशासन के उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

नैतिक आचरण से तात्पर्य है कि व्यक्ति को नैतिक मूल्यों के अनुरूप व्यवहार करना चाहिए जबकि सुशासन से ~~तात्पर्य है जिसमें~~ एक सकारात्मक व समावेशी प्रक्रिया है जो जन कल्याण को केन्द्रित करती है तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को प्राप्त करने में मदद करती है।

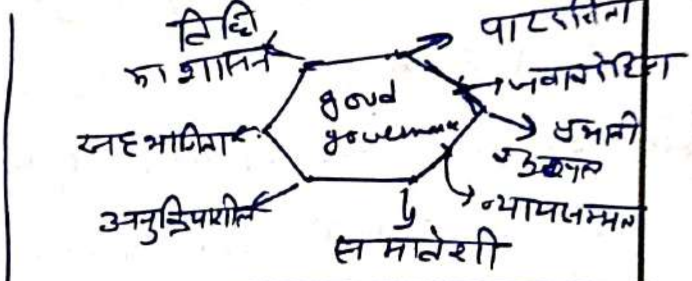

ध्यातव्य है कि लोक सेवक नैतिक आचरण व सुशासन को सिटिजन चार्टर, नैतिक संहिता, आचरण संहिता, e-governance, 'सेवोत्तम' सर्विस डिलीवरी आदि के माध्यम से संस्थागत बनाने का प्रयास करते हैं, वहीं आम नागरिक निम्न तरीके से भूमिका निभाते हैं—

i) RTI के माध्यम से सरकार से योजनाओं के बारे में प्रश्न पूछकर।

(ii) व्हिसल ब्लोअर के माध्यम से संगठन में

हो रही अनैतिक गतिविधियों पर आवाज उठाकर।

(iii) लोक सेवकों के किए गए दुर्व्यवहार की शिकायत करके।

(iv) अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर उनकी मांग करके।

(v) Social Audit में भागीदार बनकर।

(vi) Ethical Audit में भागीदार बनकर।

(vii) अपने बच्चों को मूल्य युक्त शिक्षा का प्रदान करके।

(viii) स्वयं उच्च नैतिक मूल्यों को धारण करने व उनका अनुपालन करके।

(ix) सेवाओं व लोकसेवकों के बारे में फीडबैक प्रदान करके।

"लोकतंत्र आम जनता द्वारा बनी हुई सरकारी व्यवस्था है जिसमें आम नागरिक का महत्व महत्वपूर्ण है।"

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) Public administration in India suffers from the 'working-in-silos' culture. In this context, discuss the importance of cooperation, coordination and collaboration for efficient governance. (150 words) 10

भारत में लोक प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति ('वर्किंग-इन-साइलो' कल्चर) से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहभागिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

कार्य संस्कृति, सामूहिक मूल्यों, विचारधारा, आचरण का समुच्चय है जिससे कोई संगठन संचालित होता है।

लोक प्रशासन की एकाकी कार्य संस्कृति →

i) शक्ति का ढांचा अत्यंत विषमतापूर्ण है

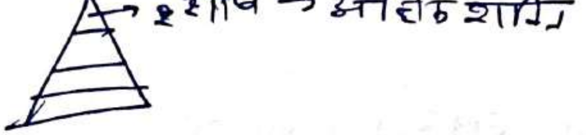

ii) आभिजात्यपूर्ण प्रकृति जिसमें अधीनस्थों के प्रति असंवेदनशीलता प्रदर्शित होती है।

iii) लोक प्रशासन में विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय का अभाव होता है।

iv) गोपनीयता की संस्कृति का प्रभावशाली होना।

v) पारदर्शिता व जवाबदेहिता का अभाव होना।

इनको दूर करने के लिए निम्न उपायों की आवश्यकता :-

(i) शक्ति का विकेंद्रीकरण किया जाना चाहिए।

(ii) सिविल सेवकों को वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। इसके लिए नैतिक मूल्यों का प्रशिक्षण होना चाहिए।

(iii) RTI Act का प्रभावशाली कार्यान्वयन होना जिससे पारदर्शी संस्कृति का निर्माण होगा।

(iv) Social Audit के माध्यम से लोगों की सहभागिता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

(v) उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए आवधिक मूल्यांकन होना चाहिए।

(vi) अच्छे काम के लिए पुरस्कार व बुरे काम के लिए दण्ड की नीति होनी चाहिए।

स्पष्ट है कि एकाकी कार्य संस्कृति को तोड़ने व कुशल गवर्नेंस के लिए होता समिति व 2nd ARC की अनुशंसाओं का पालन करना चाहिए।

4. **(a)** While emotional intelligence is an essential tool for a public servant, it can also be misused to manipulate people to act against their own interests. Discuss with examples. **(150 words) 10**

हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन होता है, लेकिन लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता, न केवल अपनी ~~भावनाओं~~, बल्कि दूसरों की भावनाओं, मनः स्थिति को समझने, प्रबंधित करने की क्षमता को इंगित करता है।

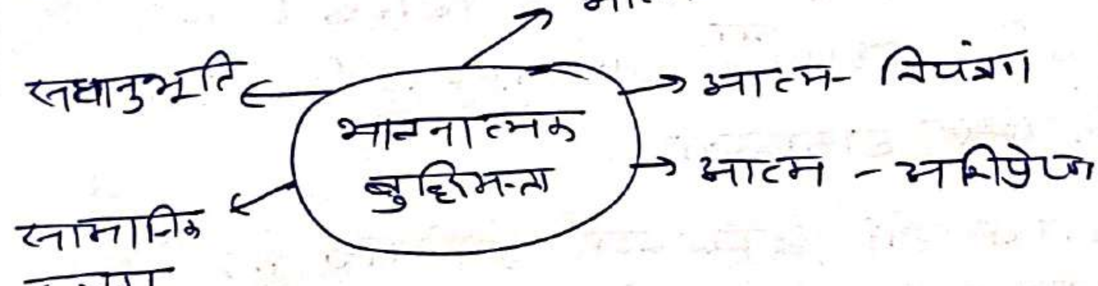

EI लोक सेवक के लिए आवश्यक?

i) कठिन परिस्थितियों में स्वयं व अधीनस्थों को प्रेरित करने में जैसे- covid-19 में, साम्प्रदायिक दंगों आदि में।

(ii) उचित निर्णय के लिए आवश्यक है जैसे- भीड़ को तितर-बितर करने में

(iii) सामाजिक परिवर्तन के लिए
उदाहरण → स्वच्छ भारत मिशन

(iv) वंचित वर्गों की समस्याओं का समाधान करने में eg - मददगार होगा।

परंतु, इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है →

i) किसी राजनेता द्वारा लोगों को अपने पक्ष में वोट देने के लिए प्रेरित करना।
eg - राजनीतिक ध्रुवीकरण।

(ii) किसी समाज को यह विश्वास दिलाना कि यह ~~विकास~~ कार्य उनके हितों के विरुद्ध है जबकि वो उनके ~~विकास~~ उत्थान के लिए आवश्यक है जैसे- ~~उनके लिए~~ टीकाकरण

(iii) महिलाओं, वंचित वर्गों के विरुद्ध कोई नियम बनाना और लोगों को उसके लिए समझाना।

(iv) अगर कोई लोकसेवक जनता की भावनाओं को समझ जाता है तो उन्हें अपने अनुसार कार्य करने के लिए मजबूर कर सकता है।

अतः स्पष्ट है कि " ~~सभी~~ ~~संवेदना~~
'All learning has EI base' परंतु इसके दुरुपयोग को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ मत लिखें)

4. (b) Social influence is an ambivalent concept. It can be a source for good, bad and even for evil. Discuss with the help of relevant examples.

(150 words) 10

सामाजिक प्रभाव एक विरोधाभासी अवधारणा है। यह अच्छे, बुरे और यहां तक कि अशुभ के लिए भी एक स्रोत हो सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

समाज के प्रतिष्ठित, लोकप्रिय व्यक्तियों के व्यवहार, मूल्यों को देखकर समाज के अन्य व्यक्तियों के मूल्यों व व्यवहार पर प्रभाव ही सामाजिक प्रभाव कहते हैं।

अच्छा प्रभाव

i) सामाजिक परिवर्तन के लिए ⇒

उदाहरण के लिए, 'स्वच्छ भारत मिशन के लिए लोगों को प्रेरित करना; अवनीश शरण ने अपनी बेटी का एडमिशन सरकारी विद्यालय में करवाया।

(ii) मोरल कंडीशनिंग में ⇒

स्टेशन पर लोगों को सफाई रखने के लिए बार-बार एनाउंस करना

(iii) योजनाओं को लागू करने में ⇒

अमिताभ बच्चन द्वारा BBBP का विज्ञापन करना।

(iv) सकारात्मक परिवर्तन लाने में :→
गांधी जी ने → प्रेम, अहिंसा
अशोक, अकबर → सर्वधर्मसद्भाव

बुरा व अशुभ प्रभाव

(i) बुरे व्यक्ति का अनुसरण करने पर
जैसे :- हिटलर ने अपने प्रभाव का उपयोग हिंसा व घृणा के लिए किया

(ii) बुरे कार्य करने के लिए प्रेरित करना→
आतंकवादी समूह का नेता अपने अधीनस्थों को आतंकी कार्य के लिए प्रेरित करता है।

(iii) परमाणु बम आदि का निर्माण जिसका भविष्य में उपयोग करने से अशुभ हो सकता है।

(iv) विकसित देशों की नीतियां जैसे - संरक्षणवाद, ट्रेड वार आदि से विश्व व्यवस्था अस्थिर हो जाएगी।

(v) विकसित देशों के अनुसरण में प्रकृति का अंधाधुंध दोहन से असंतुलन की स्थिति।

स्पष्ट है कि सामाजिक प्रभाव दो धारी तलवार है जिसका प्रयोग तार्किक रूप से किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) Effective public service delivery demands a people-centric approach, which is built upon coordination and leverages technology. Discuss. (150 words) 10

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है, जो समन्वय पर आधारित होता है और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। चर्चा कीजिए।

सार्वजनिक सेवा वितरण में सेवा प्रदाता या सरकारी लोक सेवक द्वारा सेवाओं को लाभार्थियों तक पहुँचाया जाता है।

यह जन-केंद्रित दृष्टिकोण; समन्वय पर आधारित होता है →

i) सेवा देने का उद्देश्य जनता की आवश्यकताओं की पूर्ति होना चाहिए अर्थात् जन-केंद्रित होना चाहिए।

(ii) सार्वजनिक सेवा बिना किसी भेदभाव के सभी लोगों तक पहुँचनी चाहिए।

(iii) इसके लिए उचित आंकड़ों की आवश्यकता होती है ताकि Inclusive व Exclusive की समस्या का समाधान हो सके।

(iv) सेवा वितरण के समय सिविल सेवकों को संवेदनशील होना चाहिए।

v) विभिन्न विभागों, मंत्रालयों के मध्य समन्वय होना चाहिए जैसे - महिलाओं से संबंधित सेवाओं

के लिए महिला व बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय व शिक्षा मंत्रालय का समन्वय आवश्यक है।

(vi) जनता की भागीदारी social Audit आदि के माध्यम से सुनिश्चित की जानी चाहिए।

(vii) शिकायत निवारण प्रणाली प्रभावी होनी चाहिए।

(ix) प्रौद्योगिकी के प्रयोग से डाटा संग्रहण अच्छा हो सकता है

(x) JAM (DBT) के माध्यम से लीकेज को रोकने में मदद मिलती है।

(xi) AI प्रौद्योगिकी के प्रयोग से विभिन्न राज्यों व मंत्रालयों की सेवा प्रदायगी को सुधारा जा सकता है।

(xii) प्रौद्योगिकी के माध्यम से तत्काल फीडबैक प्राप्त किया जा सकता है।

स्पष्ट है कि भारत एक लोककल्याणकारी राज्य (Art-38) है जिसमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** Highlight the important teachings of Kautilya that are relevant to public services in 21st century India. **(150 words) 10**

कौटिल्य की उन महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए, जो 21वीं सदी के भारत में लोक सेवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

कौटिल्य प्राचीन भारत का महान ~~अर्थशास्त्री~~ राजनीतिज्ञ था। उन्होंने अर्थशास्त्र नामक पुस्तक लिखी जिसमें उस समय के राजनीतिक-प्रशासन गतिविधियों के बारे में लिखा।

उनकी शिक्षा →

i)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "What counts in life is not the mere fact that we have lived. It is what difference we have made to the lives of others that will determine the significance of the life we lead." Nelson Mandela **(150 words) 10**

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने अपना जीवन जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो बदलाव लाया है, वह हमारे जीवन के महत्त्व को निर्धारित करेगा।" - नेल्सन मंडेला

उपर्युक्त कथन में दूसरों के जीवन में लाए बदलाव की बात की गई है तथा जीवन का महत्व प्रतिपादित किया गया है।

दूसरों के जीवन में बदलाव सकारात्मक व नकारात्मक दोनों हो सकते हैं —

सकारात्मक बदलाव →

i) वंचित वर्गों के जीवन में बदलाव जैसे-

- महिलाओं के लिए → राजा राम मोहन राय, ईश्वरचंद्र विद्यासागर द्वारा किए गए कार्य
- दलितों के लिए → गांधी जी व अम्बेडकर द्वारा किए गए कार्य

ii) गांधी जी द्वारा देश की स्वतंत्रता के लिए कार्य करना है जैसे हजारों भारतीयों के जीवन को स्वतंत्र किया

(iii) मदर टेरेसा द्वारा किया गया समाज सेवा कार्य।

(iv) प्रशांत नायर द्वारा ऑपरेशन सुलेमान जब भूखे व्यक्तियों के लिए किया गया कार्य।

(v) रवा सिंपल ने अपने घर में ट्रांसजेंडर को गार्ड पर रखा।

(vi) बाबा आमटे ने कुष्ठ रोगियों के लिए किया गया कार्य।

(vii) अब्राहम लिंकन ने दास प्रथा की समाप्ति की जिससे लोगों को स्वतंत्र जीवन की प्राप्ति हुई।

(viii) मार्टिन लूथर ने रंगभेद के खिलाफ लड़ाई लड़कर लोगों को स्वतंत्रता दिलाई।

नकारात्मक प्रभाव →

(i) हिटलर ने लोगों के बीच घृणा, हिंसा को प्रेरित किया

(ii) आतंकवादी, उग्रवादी समूह द्वारा लोक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाना।

अतः स्पष्ट है कि दूसरों के जीवन में जो सकारात्मक बदलाव लाते हैं, उनके जीवन का महत्व होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) "I care only for the Spirit - when that is right, everything will be righted by itself". Swami Vivekananda. (150 words) 10

"मुझे केवल मूल की परवाह है- जब वह सही होगा, तो सब कुछ स्वयं ही सही हो जाएगा।" - स्वामी विवेकानंद

उपर्युक्त कथन भावना/मूल की शुद्धता पर बल देता है अर्थात् यदि हमारे प्रयास अच्छी भावना से किए गए हो तो आगे सब कुछ स्वयं हो जाएगा।

इसे निम्नलिखित के माध्यम से समझ सकते हैं→

i) लोक सेवकों में भावना का होना आवश्यक है अर्थात् वो अपने कार्य को नैतिक जिम्मेदारी समझकर करें, अन्ततः सब ठीक होगा।

(ii) लोक सेवकों में जवाबदेहता का गुण होना आवश्यक है।

(iii) उनमें दृढ़ता का गुण भी अति आवश्यक है क्योंकि सरकारी नीतियाँ वर्षों तक चलती है।

iv) सिविल सेवकों में निष्पक्षता का होना आवश्यक है।

v) सिविल सेवकों में वस्तुनिष्ठता व निष्पक्षता

का होना आवश्यक है।

(ii) सिविल सेवकों में उत्तरदायित्व का होना चाहिए।

यदि कोई सिविल सेवक सेवा भावना, तटस्थता, वस्तुनिष्ठता, प्रतिबद्धता, दृढ़ता, उत्तरदायित्व की भावना से कार्य करेगा तो उनके द्वारा किए गए कार्य अपने आप परिणाम देंगे। उदाहरण के लिए

- सत्येंद्र दुबे द्वारा साहस से काम करके NHAI में भ्रष्टाचार को उजागर किया
- TN शेषण ने ECI में अव्यवस्था को उजागर किया।
- पाने आर्मस्ट्रांग द्वारा दृढ़ता, जन सेवा की भावना से सड़क का निर्माण संभव

निष्कर्षतः कह सकते हैं कि हमें अपनी भावना को अच्छे गुणों से युक्त रखना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) "True peace is not merely the absence of tension; it is the presence of justice." Martin Luther King Jr (150 words) 10

"वास्तविक शांति केवल तनाव की अनुपस्थिति नहीं है; बल्कि यह न्याय की उपस्थिति भी है।" - मार्टिन लूथर किंग जूनियर

उपर्युक्त कथन में शांति का वास्तविक अर्थ प्रतिपादित किया गया है।

अर्थात् शांति का अर्थ केवल तनाव की उपस्थिति नहीं, बल्कि न्याय भी होना चाहिए—

i) शांति तो राजशासन में भी उपस्थित थी परंतु वहाँ सामाजिक, आर्थिक न्याय की उपस्थिति थी।

(ii) शांति तानाशाही शासन में भी होती है, परंतु वहाँ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अनुपस्थित। eg- उत्तर कोरिया।

(iii) शांति अयुद्धकालीन परिस्थिति में भी होती है लेकिन वहाँ सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय अनुपस्थित होता है जैसे - ब्रिटिश शासन द्वारा उपनिवेशवाद

iv) पितृसत्तात्मक समाज में भी शांति हो सकती है परंतु वहाँ महिलाओं के साथ न्याय सुनिश्चित नहीं रहता।

v) वर्तमान की उपभोक्तावादी संस्कृति में ऊपरी स्तर पर तो शांति प्रतीत होती है परंतु संसाधनों के वितरण में असमानता, देशों के मध्य असमानता आदि न्याय में असमानता को इंगित करता है।

शांति उस स्थिति को संदर्भित करते है जहाँ न तनाव हो और सभी को अपने राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक अधिकार मिले ~~और~~। ~~दिनकर~~ दिनकर की निम्न पंक्ति शांति को संदर्भित करती है —

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं ये कम होगा।

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्द):

7. You have recently graduated from college and are now preparing for the civil services examination. While reading the newspaper, you come across a news report of a Non-Governmental Organisation (NGO), working for child rights, challenging a provision of the Juvenile Justice Act, 2015, in the Supreme Court of India. The said provision provides for the option of Children in Conflict with Law (CCL) to be tried as adults under certain circumstances. The NGO's plea is that children are not able to understand the gravity of crimes. It has also contended that the criminal acts committed by children are a reflection of failure of the society to take care of its children. In the context of this situation, as a young aspirant, answer the following questions:

(a) What are the possible factors that can drive a child towards committing heinous crimes?

(b) Is it ethical to punish children as adults rather than giving them a chance for reformation? **(20)**

आपने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और अब आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाचार पत्र पढ़ते समय, आप बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की एक खबर के बारे में पढ़ते हैं, जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के एक उपबंध को चुनौती दी गई है। उक्त उपबंध कुछ परिस्थितियों में कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों (CCL) पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के विकल्प का प्रावधान करता है। उस NGO की दलील है कि बच्चे अपराधों की गंभीरता को समझने में सक्षम नहीं होते हैं। NGO ने यह भी तर्क दिया है कि बच्चों द्वारा किए गए आपराधिक कृत्य अपने बच्चों की देखभाल करने में समाज की विफलता का प्रतिबिंब हैं। उपर्युक्त परिस्थिति के संदर्भ में तथा एक युवा अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) वे कौन-से संभावित कारक हैं जो एक बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

(b) क्या बच्चों को सुधार का एक मौका देने के बजाय उन्हें वयस्कों के रूप में दंडित करना नैतिक है?

उपर्युक्त प्रकरण में बाल अधिकार व उन परिस्थितियों की बात की गई जिनमें बालकों को वयस्क की तरह माना जा सकता है।

(a) कारक जो बच्चों को जघन्य अपराध के लिए प्रेरित करते हैं —

(i) बच्चों में मूल्य विहीन शिक्षा ⇒
आज की शिक्षा प्रणाली सिर्फ भौतिक शिक्षा प्रणाली की बात करती है, परंतु उसमें नैतिक शिक्षा, लैंगिक समता, संवेदनशीलता जैसे गुणों का अभाव होता है।

(ii) बच्चों का मा-बाप द्वारा पर्याप्त ध्यान न दिया जाना ⇒
धनी परिवारों में माता-पिता व्यस्तता के चलते उनका ध्यान नहीं रख पाते तथा गरीब परिवार आजीविका की वजह से नहीं रख पाते।

(iii) फिल्म व साहित्य में अपराध का महिमामंडन
आजकल फिल्मों में हीरो को अपराध करके बताया जाता है। उसे देखकर भी बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

iv) उचित मार्गदर्शन का अभाव तथा महत्वाकांक्षा अकेलापन →
इस वजह से भी बच्चे ऐसे कृत्यों की ओर आकर्षित होते हैं।

v) ड्रग एडिक्शन →
इसकी वजह से बच्चों को पता ही नहीं होता कि वो क्या कर रहे हैं।

vi) डिजिटल पहुँच →
इसकी वजह से बच्चों के पास ऐसे सामग्री आती है जो उन्हें मानसिक रूप से विचलित करती है।

(b) यह कुछ परिस्थितियों में नैतिक हो सकता है —

i) निर्भया गैंग रेप में शामिल एक युवक नाबालिग था, परंतु उसका कृत्य अत्यन्त भयानक था। अतः ऐसी परिस्थिति में बच्चों को वयस्क माना जा सकता है।

(ii) बच्चों द्वारा की गई अमानवीय हत्या की स्थिति में उन्हें वयस्क माना जा सकता है।

परंतु, यदि अपराध जघन्य प्रकृति का न हो तो उन्हें बच्चों की तरह ही व्यवहार किया जाना चाहिए।

अतः स्पष्ट है कि सामान्य परिस्थितियों के अपराध में बच्चों को सुधार का मौका दिया जाना चाहिए जो उनके सर्वांगीण विकास स्थित - 39 के अनुसार आवश्यक है। परंतु, जघन्य अपराधों में उन्हें वयस्क की तरह मानना उचित है क्योंकि इससे अपराध की गंभीरता कम नहीं होती।

8. You are a CEO-founder of an edTech company. You are under tremendous pressure from the investors in your company to increase the profitability of the company and undertake downsizing. After making a few bad acquisitions, the company's finances have taken a huge hit in the last couple of years. The downsizing is suggested with the hope that the company's profitability would rise, as it often does when mass

layoff or downsizing decisions are carried out. Moreover, the investors have hinted that such measures would attract further investment from them, which has come as a ray of hope considering the ongoing volatile market conditions and slowdown in big-ticket fundings. Given the situation, rumors of unscrupulous firing have started doing the rounds among employees. It has increased apprehensiveness and reduced cohesiveness among them. You have informed the investors that the cost cutting exercise can affect the output as well as reputation of the company in the long-run. However, they are adamant to pursue the same.

(a) Identify the stakeholders and ethical issues involved in the case.

(b) You and the HR team have identified some options and are deliberating to put them across to the investors for consideration. Discuss the merits and demerits of each of these:

(i) Identifying key high performers and offering them suitable positions before implementing the layoff decision.

(ii) Putting the terminated employees on retainer to work part-time.

(iii) Executing the lay off order in the same spirit as it was asked by the investors and letting them deal with the long-term consequences.

(iv) Improving the perception of fairness among the existing and terminated employees and moving ahead with the layoffs.

(c) Without restricting yourself to the above options, discuss the course of action you will take, and provide adequate reasons for the same.

(20)

आप एक एडटेक कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने और छंटनी (डाउनसाइजिंग) करने के लिए आपके ऊपर कंपनी के निवेशकों का जबरदस्त दबाव है। कुछ खराब अधिग्रहण करने के बाद, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में भारी गिरावट आई है। ऐसे में छंटनी का सुझाव कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि की उम्मीद के साथ दिया गया है, क्योंकि सामान्यतः बड़े पैमाने पर छंटनी के निर्णय से लाभप्रदता बढ़ती है। इसके अलावा, निवेशकों ने संकेत दिया है कि इस तरह के उपायों के परिणामस्वरूप वे कंपनी में और अधिक निवेश कर सकते हैं, जो बाजार में चल रही अस्थिर स्थितियों एवं अधिकाधिक फंडिंग में कमी को देखते हुए आशा की किरण के रूप में हैं। इस स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों के बीच बेवजह नौकरी से हटाये जाने की अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। इन सब बातों ने उनके बीच आशंका को बढ़ाया है और एकजुटता को भी कम किया है। आपने निवेशकों को सूचित किया है कि लागत में कटौती के प्रयास से कंपनी के उत्पादन के साथ-साथ दीर्घावधि में प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, वे इसी उपाय को अपनाने पर अड़े हुए हैं।

Don't write anything in the margin (हाशिए पर कुछ न लिखें)

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपने और HR टीम ने निम्नलिखित कुछ विकल्पों की पहचान की है तथा उन्हें विचार के लिए निवेशकों के सामने रखने की सोच रहे हैं। इनमें से प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए:

(i) छंटनी के फैसले को लागू करने से पहले उच्च प्रदर्शन करने वाले अग्रणी कर्मचारियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त पदों की पेशकश करना।

(ii) हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट-टाइम काम करने के लिए रिटेनर के तौर पर रखना।

(iii) छंटनी के आदेश को उसी भावना से निष्पादित करना जैसा कि निवेशकों द्वारा कहा गया था और उन्हें दीर्घकालिक परिणामों से निपटने की अनुमति देना।

(iv) मौजूदा और हटाये गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छंटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।

(c) स्वयं को उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना, आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा कीजिए और उसके लिए पर्याप्त कारण बताएं।

उपर्युक्त प्रकरण व्यावसायिक लाभ तथा सामाजिक लाभ के बीच अन्तर्द्वन्द्व को प्रदर्शित करता है।

(a)

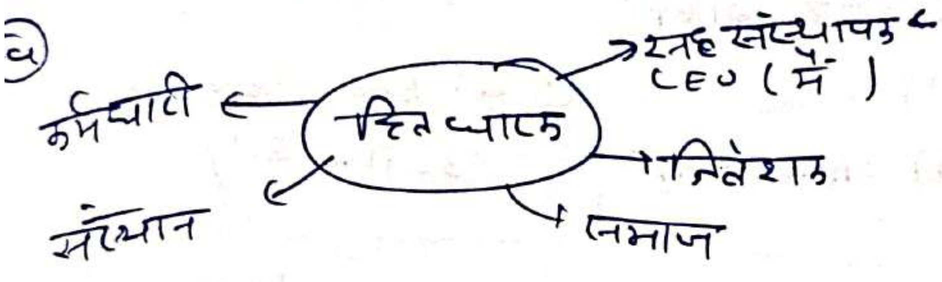

नैतिक मुद्दे :-

(i) व्यावसायिक लाभ व सामाजिक लाभ :- इसमें कंपनी कर्मचारियों के बारे में न सोचकर अपनी कंपनी के लाभ के बारे में सोच रही है।

(ii) सूचना असममिति =
इसके कारण संस्थान में अफवाहें फैल रही है।

(iii) कम्पनी की छवि में हानि की संभावना

(iv) कम्पनी कर्मचारियों में एकजुटता की कमी जो कार्य की उत्पादकता को प्रभावित करेगी।

(b)

(i)

गुण	दोष
यह फैसला किसी बड़ी हड़ताल को रोक सकता है।	अन्य कर्मचारियों को क्षति होगी
कर्मचारियों में विश्वास बने रहेगा।	उनकी समस्या का समाधान नहीं।
कम्पनी की साख बनी रहेगी	वो मिलकर हड़ताल कर सकते हैं।

(ii)

गुण	दोष
इससे उनकी आजीविका प्रभावित नहीं होगी	कर्मचारियों के वेतन में कमी
हड़ताल का संकट नहीं होगा	उसकी असल की समाधान नहीं
कम्पनी की साख बनी रहेगी	

Don't write anything this margin
(इस स्थान में कुछ मत लिखें)

(iii) कुछ दोष	कुछ गुण
① बड़ी हड़ताल की संभावना। ② कम्पनी का कार्य प्रभावित होना ③ कम्पनी की प्रतिष्ठा खराब करने में	① कम्पनी हानि की स्थिति को बेहतर करने में सक्षम/ अर्थात क्षतिपूर्ति ② एक बेहतर प्लान जिसके माध्यम से अवांछित परिणामों से बचा जा सकता

(iv) गुण	दोष
① कर्मचारियों को विश्वास दिलाना कि उन्हें क्यों हटाया जा रहा और हटाने के आधार क्या है।	① बड़ी हड़ताल की संभावना ② कर्मचारियों की आजीविका प्रभावित

(c) मैं, उपर्युक्त स्थिति में इनके विकल्प को चुनूंगी। साथ ही इन कर्मचारियों के लिए कहीं नौकरी की सिफारिश करूंगी।

क्योंकि इससे न केवल कम्पनी की लाभप्रदतता में वृद्धि होगी, बल्कि कम्पनी की प्रतिष्ठा को भी हानि नहीं होगी साथ ही ~~कर्मचारियों~~ को पार्ट-टाइम जॉब देकर उनको अपेक्षित हानि नहीं होगी तथा दीर्घकाल में उनके लिए नौकरी की सिफारिश करना।

9. There is an ongoing ethnic civil war in a neighbouring country. The conflict has caused massive displacement of people from the country. Ironically, the developed countries have closed off their borders to the refugees on account of the COVID-19 pandemic, resource competition, domestic politics etc. With countries sealing off their borders, the refugees are left in a vulnerable situation and many are taking illegal routes to enter your country. As a Senior Official of your country's Ministry of External Affairs, you have been involved in discussions with officials of other nations and are entrusted with the mandate to design a national policy to safely accommodate India bound refugees. In this context, answer the following questions:

(a) Discuss the moral issues related to the rights of international refugees, especially those from conflict-torn regions.

(b) What recommendations would you suggest given the large influx of refugees in India. **(20)**

एक पड़ोसी देश में नृजातीय गृह-युद्ध जारी है। यह संघर्ष उस देश से लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन गया है। विडंबना यह है कि विकसित देशों ने कोविड-19 महामारी, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, घरेलू राजनीति आदि के कारण शरणार्थियों हेतु अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। देशों द्वारा अपनी सीमाओं को बंद करने के कारण शरणार्थियों की स्थिति असुरक्षित हो गई है और वे आपके देश में प्रवेश करने के लिए कई अवैध मार्ग अपना रहे हैं। अपने देश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप दूसरे देशों के अधिकारियों के साथ चर्चा में शामिल रहे हैं और आपको भारत में रहने वाले शरणार्थियों को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थियों, विशेष रूप से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से आने वाले शरणार्थियों, के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए आप क्या सुझाव देंगे।

उपर्युक्त प्रकरण में शरणार्थियों के मानवाधिकारों से संबंधित मुद्दों को उठाया गया है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ मत लिखें)

हितधारक
- → अवैध शरणार्थी
- → वह देश, जहां शरणार्थी जाए
- ← शरणार्थी का मूल देश
- ↙ मैं

(a) नैतिक मुद्दे →

i) शरणार्थियों के मानवाधिकारों से संबंधित मुद्दा शामिल है।

(ii) उनके भोजन, पानी, आवास का मुद्दा उत्पन्न होता है।

(iii) उनके आजीविका का मुद्दा।

iv) उनकी पहचान का मुद्दा

v) जिस देश में जाते हैं, उस देश के लोगों द्वारा उन्हें स्वीकार नहीं किया जाता है।

vi) शरणार्थियों पर हिंसा व अत्याचार संबंधी समस्याएँ।

vii) शरणार्थियों के डिटेन्शन सेंटरों में उचित व्यवस्था न होने पर बीमारी उत्पन्न होने का खतरा।

(iii) उनके मध्य नैतिक मूल्यों के पतन का मुद्दा।

(b) भारत में बड़ी संख्या में शरणार्थियों को देखते हुए निम्न सुसार करूंगी—

i) सबसे पहले सभी पड़ोसी देशों से बातचीत करूंगी और इस मुद्दे पर सहमति बनाने का प्रयास करूंगी।

(ii) बड़ी संख्या में देश में कैंपों का निर्माण किया जाएगा।

(iii) उन्हें उचित भोजन, पानी की व्यवस्था की जाएगी।

(iv) उनके लिए आजीविका के लिए उचित रोजगार की व्यवस्था करना।

v) उनकी बीमारी की स्थिति में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता की जाएगी।

vi) उनके बच्चों के लिए उचित शिक्षा पढ़ने की व्यवस्था।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

vii) उनके देशों से लगातार बातचीत की जाएगी तथा उन्हें वापस बुलाने के लिए संधि का निर्माण किया जाएगा।

अतः स्पष्ट है कि शरणार्थियों का मुद्दा मानवाधिकारों के हनन का मुद्दा, Art-21 के अंतर्गत गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार का उल्लंघन करता है। अतः मैं इस पर एक व्यापक रणनीति बनाऊंगी जिसमें उनके मूल देश से सम्पर्क कर उन्हें वापस भेजने की उचित व्यवस्था होगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Social interactions where a person is addressed by their correct name and pronouns, consistent with their gender identity, are widely recognized as a basic and yet critical aspect of gender affirmation. A national university invited speakers for a discussion on rights of sexual minorities in India. The panel included speakers representing a wide variety of opinions and perspectives on the issue. The debates, though largely peaceful, witnessed a controversy. A college association representing sexual minorities took offence against a panellist who cautioned against self-identification by sexual minorities and the liberal use of pronouns. The association reached out to the media and the localised controversy soon turned into a national issue across news networks and social media. The association demanded that the panellist apologise for his views and issue a public statement in this context. The panellist, on the other hand, seemed unmoved by the issue. In the meantime, the University has come under huge pressure to resolve the issue. The Vice Chancellor set up a Committee to look into the matter and its peaceful resolution. You have been appointed as the Chairperson of the Committee. In this regard, answer the following questions:

(a) Discuss the various moral issues involved in the case.

(b) Keeping the right to freedom of speech and expression in mind, highlight the steps you would take to resolve the issue and list arguments in support. **(20)**

सामाजिक संपर्क, जहां व्यक्ति को उनके सही नाम एवं सर्वनाम द्वारा और उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप संबोधित किया जाता है, को व्यापक रूप से लैंगिक पुष्टि के एक बुनियादी और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्तर के एक विश्वविद्यालय ने भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया है। उस पैनल में इस मुद्दे पर विभिन्न प्रकार की राय और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता शामिल थे। हालांकि, वहां की गई चर्चा काफी हद तक शांतिपूर्ण थी, लेकिन इसमें एक विवाद भी उत्पन्न हुआ। लैंगिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कॉलेज एसोसिएशन ने लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा आत्म-पहचान और सर्वनामों के उदार उपयोग के खिलाफ चेतावनी देने वाले एक पैनलिस्ट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शित किया। उस एसोसिएशन ने मीडिया के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया और स्थानीय विवाद जल्द ही समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय मुद्दे में बदल गया। उस एसोसिएशन ने मांग की कि वह पैनलिस्ट अपने विचारों के लिए माफी मांगे और इस संदर्भ में एक सार्वजनिक बयान जारी करे। दूसरी ओर, वह पैनलिस्ट इस मुद्दे से अप्रभावित था। साथ ही, विश्वविद्यालय पर मामले को सुलझाने का भारी दबाव है। कुलपति द्वारा मामले की जांच करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आपको समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को हल करने के लिए आप जो कदम उठाएंगे उसे रेखांकित कीजिए और समर्थन में तर्क दीजिए।

उपर्युक्त प्रकरण में अ.लैंगिक अल्पसंख्यकों के मुद्दों को उठाया गया है। जो लैंगिक अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव Art-14/15/16 का उल्लंघन है।

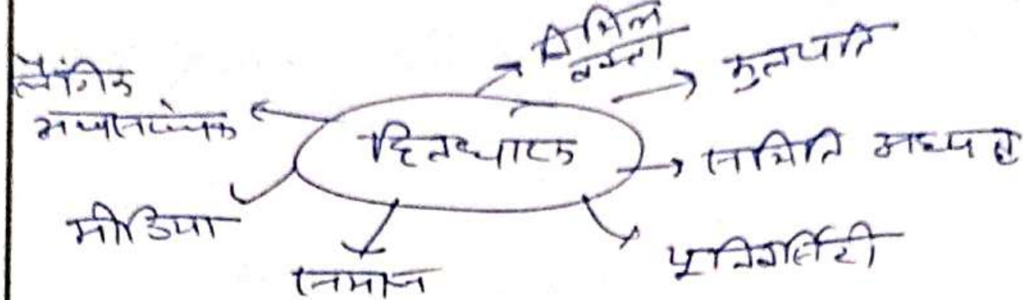

(4) नैतिक मुद्दे ⇒

(i) पहचान का मुद्दा ⇒ लैंगिक अल्पसंख्यकों की पहचान किस प्रकार से की जाए

(ii) सार्वजनिक नाम दिए जाने का मुद्दा ⇒ उनको ऐसे नामों से पुकारा जाता है जो उन्हें पसंद नहीं होता है।

(iii) उनके मानवाधिकारों से संबंधित मुद्दे।

(iv) उनके संवैधानिक अधिकारों Art-14,15/16 के उल्लंघन का मुद्दा।

(v) वैधानिक अधिकार – ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 – के उल्लंघन का मामला।

(vi) मीडिया की वाक् व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता Art-19 के उल्लंघन का मुद्दा।

(b) समिति का अध्यक्ष होने के नाते मैं निम्न कदम उठाऊंगी –

i) सबसे पहले दोनों पक्षों को निष्पक्ष होकर सुनुंगी।

(ii) उन कारणों को ढूंढूगी जिनके कारण विरोध प्रदर्शन हुआ।

(iii) यदि वो कारण वैध है तो जिस पैनल ने यह बयान दिया, उसके खिलाफ उचित कार्यवाही की जाएगी क्योंकि यह Art-14, Art-16 का उल्लंघन करता है।

(iv) अगर वो कारण अवैध है तो शिकायतकर्ता द्वारा उन कारणों के अवैध कारणों को समझाया जाएगा और बिगड़ माहौल को

की सिफारिश की जाएगी।

v) अगर जो फिर भी न ~~कि~~ मानें तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

vi) दोनों पक्षों में सुलह करवाने के रास्ते खोजे जाएंगे।

vii) भविष्य में ऐसे विवाद शांतिपूर्ण रूप से निपटें इसके लिए व्यवस्था की जाएगी।

viii) लैंगिक ~~संवे~~ संवेदनशीलता पर कॉलेज में पढ़ाया जाएगा तथा उचित पाठ्यक्रम से जोड़ा जाएगा।

ix) वाक् व अभिव्यक्ति व अधिकार के उल्लंघन को ध्यान में रखा जाएगा।

स्पष्ट है कि लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों का समर्थन किया जाना चाहिए तथा उन्हें उपयुक्त परिस्थितियाँ दी जानी चाहिए जिनसे उनका कल्याण हो।

11. You are a young athlete representing India at an international-level competition. To your surprise, during the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are aware that if these players get caught in a doping test, it may damage India's reputation. You are confused and afraid of the repercussions and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug on the advice of the coach himself.

(a) What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

(b) What are the reasons behind the use of performance enhancing drugs in competitive sporting events? How can this practice be minimized?

(20)

आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक युवा एथलीट हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आप प्रतियोगिता के दौरान कुछ वरिष्ठ एथलीटों को गुप्त रूप से सिरिंज का उपयोग करके कुछ इंजेक्शन को लगाते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे समझाते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली एक दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप जानते हैं कि यदि ये खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फंस जाते हैं तो इससे भारत की साख खराब हो सकती है। आप दुविधा में हैं और इसके परिणामों से डरते हैं। साथ ही, आप इस घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का फैसला करते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट कोच की सलाह पर इस दवा को ले रहे हैं।

(a) इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए।

(b) प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिता के आयोजनों में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रथा को कैसे कम किया जा सकता है?

उपर्युक्त प्रश्न में डोपिंग की घटना को संदर्भित किया गया है जो ~~खेल~~ नैतिकता के विरुद्ध है।

VISION IAS™

भारत की हार ← हितधारक → खिलाड़ी
→ कोच
नशीली दवा लेने वाले खिलाड़ी

(G) मेरे पास निम्न विकल्प होंगे —

i) मैं कोच की सलाह मान लूं ⇒
इससे मैं भी अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगी साथ ही भारत की साख भी अच्छी बनी रहेगी। परंतु, यदि पकड़े गए तो भारत की साख खराब होगी साथ ही मैं अपनी अंतरात्मा के साथ न्याय नहीं कर पाऊंगी।

ii) मैं कोच के खिलाफ शिकायत करूंगी
मैं वरिष्ठ अधिकारियों के पास जाकर इस मुद्दों को उठाऊंगी। इससे मैं अपनी अन्तरात्मा के साथ न्याय कर पाऊंगी तथा खेल नैतिकता बनी रहेगी। परंतु, कोच व खिलाड़ियों की

छवि खराब होगी। साथ ही, भारत की साख भी प्रभावित होगी।

(iii) मैं दवा न लूं, परंतु शिकायत न करूँ ⇒ इससे मैं तो इसमें शामिल नहीं होऊंगी और मेरी अन्तरात्मा की आवाज बनी रहेगी, परंतु, शिकायत न करने से डोपिंग होता रहेगा जो असमान प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है। साथ ही पकड़े जाने से देश की साख को खतरा होगा।

(b) प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवा के कारण ⇒

(i) इससे खेल में प्रदर्शन अच्छा होता है जिससे जीतने की संभावना बढ़ जाती है।

(ii) खिलाड़ियों में खेल भावना व खेल स्पर्धा का नहीं होना।

(iii) टैलेन्ट उचित रूप से न होना तथा

समय पर परिणाम न आना।

iv) WADA व NADA के दिशा-निर्देशों का अच्छे से पालन न किया जाना।

कम करने के उपाय ⇒

i) खिलाड़ियों को खेल नैतिकता व खेल मूल्यों से परिचित कराना व उनका समावेशन करना।

ii) खिलाड़ियों को जागरूक करना कि वे असमान प्रतियोगिता को बढ़ावा देते हैं।

iii) WADA व NADA द्वारा उचित प्रचार-प्रसार।

iv) पकड़े जाने पर कठोर सजा देना ताकि यह निवारक का कार्य कर सके।

v) टेस्टिंग क्रियाएँ व सटीकता को बढ़ाना।

स्पष्ट है कि डोपिंग खेलों में अस्वस्थ प्रतियोगिता को बढ़ावा देते हैं जबकि

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ भी न लिखें)

खेल आपसी संबंधों को मजबूत करते हैं।
इसलिए डोपिंग खेल भावना के विरोधी हैं।
अतः इसे दूर किया जाने का प्रयास किया
जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ न लिखें)

12. You have been newly appointed as the District Magistrate of a district, which is known for its rich mineral deposits. Following the news being circulated in the media about the illegal mining in your district, you have initiated an enquiry into it. When the State's Minister of Mines and Minerals gets to know of the enquiry initiated by you, he directs you to name some junior government employees as being involved in the wrongdoing and make them scapegoats. He also points out that elections to the State Assembly are around the corner and the present government wishes to stay clear of any political corruption. This Minister is a very influential figure in the present regime and there are high chances of the present ruling party being voted back to power. In due course of the enquiry, it has come to your notice that the said Minister has also been involved in illegal mining through his cronies.

The findings of the enquiry can affect the outcome of the elections as well as completely derail your career, if the incumbent party wins the elections, which looks very likely as per the polls.

Answer the following with reference to this case:

(a) Identify the stakeholders and the ethical issues in the given case.

(b) Critically evaluate the options in the given scenario and state your course of action, giving reasons.

(20)

आपको एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाना जाता है। आपके जिले में अवैध खनन के बारे में मीडिया में खबर प्रसारित होने के बाद, आपने इसकी जांच शुरू कर दी है। जब राज्य के खान और खनिज मंत्री को आपके द्वारा शुरू की गई जांच के बारे में पता चलता है, तो वो आपको कुछ कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों पर गलत काम में शामिल होने का आरोप लगाने और उन्हें बलि का बकरा बनाने का निर्देश देते हैं। वह यह भी बताते हैं कि राज्य विधान सभा के चुनाव नजदीक हैं और वर्तमान सरकार किसी भी राजनीतिक भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहती है। वह मंत्री वर्तमान सरकार में एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति है और साथ ही, वर्तमान सत्ताधारी दल के सत्ता में वापस आने की बहुत अधिक संभावना है। जांच के क्रम में आपके संज्ञान में आया है कि उक्त मंत्री अपने साथियों के माध्यम से अवैध खनन में शामिल रहा है। यदि सत्ताधारी दल चुनाव जीत जाता है, जिसकी अनुमानों के अनुसार संभावना अधिक है, तो आपकी जांच के निष्कर्ष चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपके करियर को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) दिए गए परिदृश्य में उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए अपनी कार्रवाई का विवरण दीजिए।

उपर्युक्त प्रकरण में अवैध खनन के मुद्दे को उठाया गया है। साथ ही इसमें मंत्री - खनन माफियों के गठजोड़ को भी दर्शाया गया है।

(1)

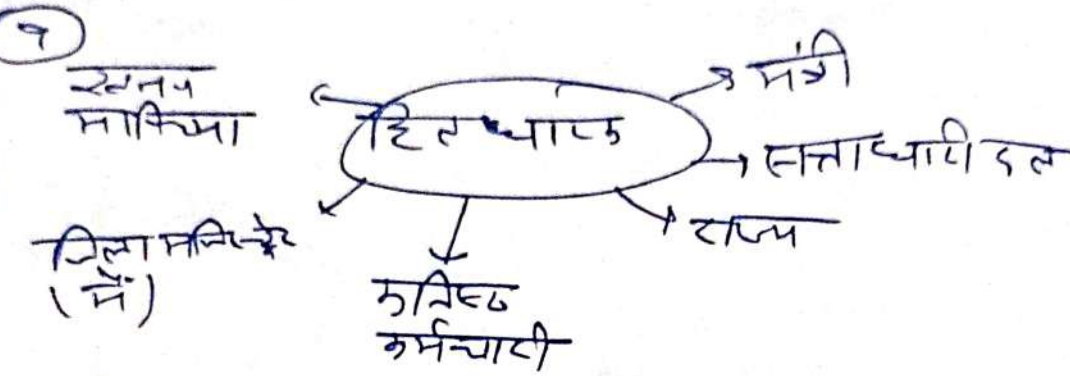

नैतिक मुद्दे →

(i) इसमें मंत्री द्वारा नैतिक संहिता व नैतिक आचरण का उल्लंघन किया गया है।

(ii) मंत्री द्वारा अपने व्यक्तिगत हित को सार्वजनिक हित के ऊपर वरीयता दी गई है।

(iii) कनिष्ठ कर्मचारियों को गलत काम में फँसाया गया है।

(iv) चुनाव में भ्रष्टाचार को दिखाया गया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) मेरे पास निम्न विकल्प होंगे →

i) मैं कोई कार्रवाई न करूँ →

~~इसमें मेरा~~

गुण	दोष
⊙ इससे मेरे करियर पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं होगा।	⊙ अवैध खनन होता रहेगा
⊙ साथ ही मंत्री से सम्पर्क बना रहेगा	⊙ मेरी अन्तरात्मा के विपरीत होगा

(ii) मैं मंत्री से लिखित में अनुमति लूँ

गुण	दोष
⊙ इससे मेरे ऊपर नैतिक जिम्मा कम हो जाएगी।	⊙ अवैध खनन होता रहेगा।
⊙ मंत्री की आज्ञा का अनुपालन	⊙ सरकार को राजस्व की हानि होगी
⊙ बाद में उजागर होने पर मेरा नाम नहीं आएगा	⊙ कनिष्ठ कर्मचारी ऐसे अपराध की सजा लेंगे जो उन्होंने नहीं की।

Don't write anything in margin

(iii) मैं मीडिया में इसको उजागर करूंगी

गुण	दोष
⊙ इससे अवैध खनन का पर्दाफाश हो जाएगा	⊙ इनका गठजोड़ बहुत बड़ा होता है जिससे मेरे जीवन को खतरे की संभावना बनी रहेगी
⊙ उनको सज़ा मिलेगी	
⊙ कर्मचारी दूर जाएंगे	

(iii) मैं वरिष्ठ अधिकारियों से सलाह लेकर मंत्री पर कार्रवाई करूं।

गुण	दोष
⊙ इससे मंत्री को सज़ा मिलेगी	⊙ मेरे करियर को नुकसान
⊙ मेरी अन्तरात्मा के अनुकूल	⊙ परिवार को नुकसान
⊙ सच का साथ	

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मैं इस प्रकार सबसे अंतिम विकल्प अपनाऊंगी। इससे मुझे न केवल आंतरिक शांति मिलेगी, बल्कि सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी और वास्तविक दोषियों को सजा मिलेगी।

इस प्रकार, मैं कार्रवाई करके नेतृत्वशीलता, साहस, दृढ़ता, सत्यनिष्ठा जैसे गुणों का परिचय दूंगी।